संख्या-258/2026/1096/41-2-2026-CN-2051615

प्रेषक,

चन्दन कुमार रावत,
उप सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

महानिदेशक,
पर्यटन,
उ0प्र0, लखनऊ।

पर्यटन अनुभाग-2 **लखनऊ, दिनांक 04 जून, 2026**

विषय:- उ०प्र० विन्ध्य धाम तीर्थ विकास परिषद, मीरजापुर को वित्तीय वर्ष 2026-27 हेतु बजट उपलब्ध कराये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक अपने पत्र संख्या-584360/6-1-1/वि0धा0ती0वि0प0(बजट)/2023-24, दिनांक 11.05.2026 का कृपया सन्दर्भ ग्रहण करे, जिसके माध्यम से वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए अनुदान संख्या-044 के लेखाशीर्ष-3452-पर्यटन-80-सामान्य-800-अन्य व्यय-17-उत्तर प्रदेश विन्ध्य धाम तीर्थ विकास परिषद, मीरजापुर के मानक मद 20-सहायता अनुदान-सामान्य (गैर वेतन) एवं 31-सहायता अनुदान-सामान्य (वेतन) के लिए बजटीय प्राविधान के सापेक्ष प्रथम किश्त के रूप में ''गैर वेतन'' मद के अन्तर्गत धनराशि रू0 150.00 लाख एवं ''वेतन'' मद के अन्तर्गत रू0 150.00 लाख की धनराशि अवमुक्त किये जाने का अनुरोध किया गया है।

2. इस सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2026-27 में पर्यटन विभाग के अनुदान संख्या-44 के राजस्व लेखा के "लेखाशीर्षक 3452-पर्यटन-80-सामान्य-800-अन्य व्यय-17-उत्तर प्रदेश श्री विन्ध्य धाम तीर्थ विकास परिषद, मीरजापुर के मानक मद **20-सहायता अनुदान-सामान्य (गैर वेतन)** मद में प्रावधानित धनराशि रू0 150.00 लाख के सापेक्ष प्रथम किश्त के रूप में **रू0 50.00** लाख (रूपये पचास लाख मात्र) तथा **31-सहायता अनुदान-सामान्य (वेतन)"** मद में प्रावधिनित धनराशि रू0 150.00 लाख के सापेक्ष सम्पूर्ण धनराशि **रू0 150.00 लाख** (रूपये एक करोड़ पचास लाख मात्र) को व्यय किये जाने हेतु आपके निवर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल निम्नलिखित शर्तों/प्रतिबन्धों के अन्तर्गत सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

(1) निवर्तन पर रखी जा रही धनराशि का व्यय वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-1 के ज्ञाप संख्या-4/2026/बी-1-812/दस-2026-231/2026, दिनांक-28.03.2026 में निहित शर्तों एवं प्राविधानों के अन्तर्गत ही सुनिश्चित किया जायेगा तथा निवर्तन पर रखी जा रही धनराशि जिस कार्य/मद हेतु प्रदान की जा रही है उसका उपयोग नियमानुसार उसी कार्यमद हेतु किया जायेगा, अर्थात स्वीकृत धनराशि का व्यय किसी अन्य मद/प्रयोजन हेतु नहीं किया जायेगा। विभिन्न मदों में स्वीकृत धनराशि का व्यावर्तन तथा पुनर्विनियोजन शासन की पूर्व अनुमति से ही किया जायेगा।

(2) निवर्तन पर रखी जा रही धनराशि का आवंटन मात्र किसी प्रकार के व्यय करने का प्राधिकार नही देता है। अत: जिन मामलों में उ0प्र0 बजट मैनुअल और वित्तीय नियम संग्रह तथा स्थायी आदेशों के अन्तर्गत राज्य सरकार/केन्द्र सरकार अथवा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति प्राप्त की जानी आवश्यक हो, उन मामलों में धनराशि व्यय करने के पूर्व अनिवार्य रूप से मदवार व्यय विवरण

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है । ।

शासन को उपलब्ध कराते हुए सक्षम स्तर का अनुमोदन प्राप्त करने के पश्चात ही व्यय सुनिश्चित किया जाय।

(3) निवर्तन पर रखी जा रही धनराशि में से नियमानुसार व्यय किये जाने हेतु आवश्यक धनराशि को कोषागार से आहरित कर आहरण के बाउचर संख्या एवं तिथि की सूचना शासन एवं महालेखाकार, प्रयागराज को अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जायेगा। निवर्तन पर रखी जा रही धनराशि के समक्ष किये गये व्यय पर नियंत्रण के सम्बन्ध में शासनादेश सं0-बी-1-1195/दस-16/94, दिनांक 06 जून, 1994 द्वारा निर्गत निर्देशों का कड़ाई के साथ अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

(4) व्यय प्रबन्धन एवं शासकीय व्यय में मितव्ययिता के सम्बन्ध में वित्त विभाग द्वारा समय-समय पर जारी आदेशों का विशेष रूप से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय। इसके साथ-साथ राजकीय धन व्यय करने में उ0प्र0 बजट मैनुअल के प्रस्तर-12 में दी गयी शर्तों की पूर्ति तथा वित्तीय औचित्य के मानकों (स्टैण्डर्स आफ फाइनेन्शियल प्रोप्राइटी) का अनुपालन भी सुनिश्चित किया जाय।

(5) निवर्तन पर रखी जा रही धनराशि के सापेक्ष एकमुश्त आहरण न किया जाय। विभाग के कार्य की प्रकृति एवं आवश्यकता के अनुसार सम्भावित व्यय की फेजिंग की जाय तथा यथासंभव व्यय की फेजिंग वित्तीय वर्ष की अवधि के लिए समान रूप से ही की जाय।

(6) निवर्तन पर रखी जा रही धनराशि का व्यय सुनिश्चित करने के पूर्व महालेखाकार एवं आन्तरिक लेखा परीक्षा के रिपोर्टों/प्रतिवेदनों/आपत्तियों को अनिवार्य रूप से दृष्टिगत रखते हुए उनका समाधान करने के पश्चात ही नियमानुसार व्यय सुनिश्चित किया जायेगा।

(7) पूर्व में निवर्तन पर रखी गयी धनराशि एवं वर्तमान में निवर्तन पर रखी जा रही धनराशि का सक्षम स्तर से अनुमोदित उपयोगिता प्रमाण पत्र चालू वित्तीय वर्ष की समाप्ति के पूर्व ससमय शासन को उपलब्ध कराया जाएगा।

3. इस संबंध में होने वाला व्यय (***1***) रुपये 50,00,000 (रुपये पचास लाख मात्र **)** को चालू वित्तीय वर्ष 2026-27 के आय-व्ययक मे अनुदान संख्या 044 लेखा शीर्षक 3452808001700 उत्तर प्रदेश विन्ध्य धाम तीर्थ विकास परिषद, मिर्जापुर मानक मद 20 सहायता अनुदान - सामान्य (गैर वेतन) **(*2*)** रुपये 1,50,00,000 (रुपये एक करोड़ पचास लाख मात्र **)** को चालू वित्तीय वर्ष 2026-27 के आय-व्ययक मे अनुदान संख्या 044 लेखा शीर्षक 3452808001700 उत्तर प्रदेश विन्ध्य धाम तीर्थ विकास परिषद, मिर्जापुर मानक मद 31 सहायता अनुदान - सामान्य (वेतन) के नामे डाला जायेगा।

4. यह आदेश वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-1 के कार्यालय ज्ञाप संख्या-4/2026**/**बी-1-812/दस-2026-231/2026, दिनांक- 28-मार्च, 2026 में प्रशासकीय विभाग को उक्तवत प्रतिनिधानित अधिकार के अंतर्गत निर्गत किये जा रहे है।

भवदीय,

(चन्दन कुमार रावत)
उप सचिव।

<u>संख्या व दिनांक तदैव::</u>

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. प्रधान महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी) प्रथम/द्वितीय, उ0 प्र0, प्रयागराज।
2. महालेखाकार (लेखा परीक्षा) प्रथम/द्वितीय, उ0 प्र0, प्रयागराज।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है । ।

http://shasanadesh.up.gov.in

3. निदेशक पर्यटन (ईको), पर्यटन निदेशालय, लखनऊ।
4. वित्त नियंत्रक, पर्यटन निदेशालय, उ0 प्र0, लखनऊ।
5. मुख्य कोषाधिकारी, जवाहर भवन, उ0 प्र0, लखनऊ।
6. वित्त (व्यय-नियंत्रण) अनुभाग-7, उ0 प्र0 शासन।
7. वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-1/2, उ0 प्र0 शासन।
8. गार्ड-फाइल।

आज्ञा से,

(चन्दन कुमार रावत)
उप सचिव।

http://shasanadesh.up.gov.in

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है ।